UGC NET PAPER 3 DECEMBER 31, 2005 SHIFT 1 HISTORY QUESTION PAPER

D—0605

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

HISTORY

इतिहास

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : Read the passage given below and answer the question numbers 1 to 5. Each answer should not be in more than 30 words. Each question carries 5 (Five) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और प्रश्न संख्या (1) से (5) तक का उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर में (30) से अधिक शब्द नही हों। प्रत्येक प्रश्न के (5) (पाँच) अंक हैं।

(5x5=25 अंक)

It was during this period that Aurungzeb succeeded to the throne of the Mughals after a civil war, having imprisoned his own father, Shah Jehan. Only an Akbar might have understood the situation and controlled the new forces that were rising.

All over the widespread domains of the Mughal Empire there was a ferment and a growth of revivalist sentiment, which was a mixture of religion and nationalism. That nationalism was certainly not of the modern secular type, nor did it, as a rule, embrace the whole of India in its scope. It was coloured by feudalism, by local sentiment and sectarian feeling. The Rajputs, more feudal than the rest, thought of their clan loyalties; the Sikhs, a comparatively small group in the Punjab, were absorbed in their own self-defence and could hardly look beyond the Punjab. Yet the religion itself had a strong national background and all its traditions were connected with India. 'The Indians,' writes Professor Macdonell, 'are the only division of the Indo-European family which has created a great national religion-Brahmanism-and a great world religion-Buddhism; while all the rest far from displaying originality in this sphere have long since adopted a foreign faith.' That combination of religion and nationalism gained strength and cohesiveness from both elements, and yet its ultimate weakness and insufficiency were also derived from that mixture. For it could only be an exclusive and partial nationalism, not including the many elements in India that lay outside that religious sphere. Hindu nationalism was a natural growth from the soil of India, but inevitably it comes in the way of the larger nationalism, which rises above differences of religion of creed.

यह वह ज़माना था, जब एक घरेलू युद्ध के बाद अपने बाप शाहजहां को क़ैद करके, औरंगज़ेब मुग़लों के तख्त पर बैठा। अकबर की ही एक ऐसी शख्सियत थी, जो इस परिस्थिति का अंदाज़ा लगा सकती थी और उन नई ताक़तों को, जो उठ रही थीं, काबू में ला सकती थी।

सारी मुग़ल-सल्तनत में एक बफान-सी आई हुई थी और नई जागृति की भावना तरक्की कर रही थी, जिसमें धर्म और जातीयता का मेल था। यह ज़रूर है कि इस जातीयता को हम ज़माने-हाल की मज़हब से अलग-थलग रहनेवाली जातीयता नहीं कह सकते; न यह ऐसी थी कि इसका संबंध सारे देश से रहा हो। इसमें सांमतवादी रंग था और मुक़ामी जज्बे और धार्मिक भावनाओं का पुट था। राजपूत, जो औरों से ज्यादा सामंतवादी थे, अपने-अपने वंशों का ध्यान करते थे; सिख, जिनका औरों के मुकाबले में एक छोटा दल पंजाब में था, पंजाब के बाहर की न सोचते थे। लेकिन खुद मज़हब की एक गहरी कौमी भूमिका थी और उसकी सभी परंपराएं हिंदुस्तान से ताल्लुक रखनेवाली थी। प्रोफ़ेसर मैकडानेल ने लिखा है कि ''हिंदी यूरोपीय-कुल के लोगों में हिंदुस्तानी ही एक ऐसे हैं, जिन्होंने एक बड़ा कौमी धर्म-यानी ब्राह्मण धर्म-तैयार किया और एक लोक-व्यापी धर्म-यानी बौद्ध-धर्म-को जन्म दिया। और सभी ऐसे हैं, जिन्होने इस दिशा में मौलिकता दिखाना तो दूर रहा, दरअसल बाहरी मज़हबों को अख्तियार किया है।'' मज़हब और राष्ट्रीयता के इस मेल ने दोनों ही तत्वों से ज़ोर और ताकत हासिल की; लेकिन इस मेल में उसकी कमज़ोरी भी समाई हुई थी, क्योंकि इस तरह की जातीयता सिर्फ एक अंश में जातीयता कहला सकती थी और यह हिंदुस्तान के उन सभी लोगों को, जो इस मजहबी दायरे से बाहर के थे, एक में मिलानेवाली नहीं थी। हिंदू-राष्ट्रीयता हिंदुस्तान की ज़मीन की एक स्वाभाविक उपज थी, लेकिन यह लाज़िमी तौर पर उस बड़ी राष्ट्रीयता के रास्ते में रुकावट डालती थी, जो मज़हबी भेद भावों से ऊपर उठ जाना चाहती है।

1. Why the author calls Buddhism a world religion ?

लेखक क्यों कहता है कि बौद्धधर्म विश्व व्यापी धर्म है?

2. Why Sikh resistance to Aurangzeb assumed a militant form ?

औरंगज़ेब के विरुद्ध सिक्खों का प्रतिरोध क्यों युद्धात्मक हो गया ?

3. What was the stand of the Rajputs against Aurangzeb ?

राजपूतों का औरंगज़ेब के प्रति क्या दृष्टिकोण था ?

prepp Your Personal Exam Guide

4. What was the nature of resistance that was growing against the Mughal rule during Aurangzeb's reign ?

औरंगजेब के काल में मुग़ल शासन के विरुद्ध उत्पन्न होने वाले प्रतिरोध का क्या स्वरूप था ?

5. Is the author correct in saying that the combination of religion and nationalism was inadequate for ushering in a all Indian nationalism ?

क्या लेखक कथन सही है कि धर्म और राष्ट्रीयता का सम्मिलन अखिल भारतीय राष्ट्रीयता के उदय हेतु अपर्याप्त था ?

prepp Your Personal Exam Guide

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen 15 (fifteen) questions. All questions are compulsory. Each answered should not be in more than 30 (thirty) words. Each question carries 5 (five) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस भाग में 15 (पंद्रह) प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक उत्तर में 30 (तीस) से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए। प्रत्येक प्रश्न के (5) पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Explain the terms 'henotheism'.

'अधिदेववाद' शब्द की व्याख्या कीजिए।

prepp Your Personal Exam Guide

7. Explain the concept of Samyaka charita as a part of Tri-ratna in Jainism.
जैन-धर्म में त्रि-रत्न के रूप में सम्यक् चरित की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

8. Describe the folk - art of the Mauryan period.
मौर्य-कालीन लोक-कला की विवेचना कीजिए?

9. Give the description of various deities depicted on the coins of Kanishka.

कनिष्क की मुद्राओं पर अंकित विभिन्न देव-मूर्तियों का वर्णन कीजिए।

10. Give reasons for Barani's popularity as a historian.

बरनी की इतिहासकार के रूप में प्रसिद्धि के कारण बतायें।

prepp Your Personal Exam Guide

11. Discuss the teachings of Kabir.

कबीर की शिक्षाओं की विवेचना कीजिए।

12. Evaluate briefly Shah Jahan's Central Asian policy.

शाहजहाँ की मध्य-एशिया संबंधित नीति का मूल्यांकन करें।

prepp Your Personal Exam Guide

13. Narrate two main features of Mughal painting as it developed under Jahangir.

जहाँगीर के काल में मुगल चित्रकला की दो मुख्य विशेषताओं को बतायें।

14. Discuss the Ilbert-Bill Controversy

इल्बर्ट बिल विवाद की चर्चा कीजिए।

prepp Your Personal Exam Guide

15. What were the objectives of Simla Deputation ?

शिमला शिष्टमंडल के क्या उद्देश्य थे ?

16. What were terms and conditions of the Poona Pact ?

पूना समझौते की शर्ते और उपबन्ध क्या थी ?

17. Explain dyarchy as provided in the Government of India Act of 1919.

1919 के भारत शासन अधिनियम में प्रस्तुत द्वैध शासन की व्याख्या कीजिए।

18. Describe the context in which Gandhi gave the slogan of "Do or Die"

उस संदर्भ का वर्णन कीजिए जिसमें गांधी ने ''करो या मरो'' का नारा दिया।

prepp Your Personal Exam Guide

19. State Voltaire's main achivements.

वाल्तेयर की मुख्य अपलब्धियां बतायें।

20. "History is a continuous dialogue between the present and the Past" Discuss.

''इतिहास वर्तमान एवं अतीत के मध्य अनवरत संवाद हैं''। व्याख्या कीजिए।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This part has three groups -A,B and C. The student should select one group and answer all the (5) questions from that group only. Each answer should not be in more than (200) words. Each question carries twelve (12) marks.

(12x5=60 marks)

नोट : इस भाग में तीन खण्ड हैं - A,B और C. विद्यार्थी को एक खण्ड का चयन करना है और उसी में से पाँच (5) प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक उत्तर (200) शब्दों से अधिक में नहीं हों। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों के हैं।

(12x5=60 अंक)

Elective - I
विकल्प – I

21. Elucidate the salient features of the chalcolithic Age in Central India.
मध्य-भारत में ताम्राश्म युग की मुख्य विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

22. Evaluate the social background of Early Buddhism.
प्रारम्भिक बौद्ध-धर्म की सामाजिक पृष्ठ-भूमि का मूल्याँकन कीजिए।

23. Trace the origin and development of the chaitya caves.
चैत्य गुहाओं की उत्पत्ति तथा विकास को रेखांकित कीजिए।

24. Throw light on the development of sanskrit literature in the Gupta period.
गुप्तकाल में संस्कृत साहित्य के विकास पर प्रकाश डालिए।

25. does the Arthsastra refer to the agricultural expansion in the new settlements ?
नव-वस्तियों में कृषि-विस्तार के बारे में अर्थशास्त्र क्या वर्णन करता है?

OR / अथवा

Elective - II
विकल्प – II

21. Discuss and travelogues of Tavernier, Bernier and Therenot as a source of socio-economic history of India.
टैवर्ने, बर्ने तथा थेवेनो के यात्रा वृत्तांतों की भारत के सामाजिक-आर्थिक इतिहास के स्रोत के रूप में विवेचना करें

22. Describe the causes of Safavid-Mughal Conflict under Jahangir and Shahjahan.
जहाँगीर-और शाहजहाँ के अन्तर्गत सफाविद-मुगल संघर्ष के कारणों का वर्णन करें।

23. Write a note on the grouth of Hindi leterature in the XVI-XVII Centuries.
सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दियों में हिन्दी साहित्य के विकास पर टिप्पणी लिखें।

24. Trace India's trade relations with Iran and central Asia in the XVII Century
इरान और मध्यएशिया से सत्रहवीं शताब्दी में भारत के व्यापारिक संबधों को रेखांरित करें।

25. Who unitiated the '18th Century Debate ? What are his main contentions ?
'अट्ठारहवीं शताब्दी वाद-विवाद' को किसने आरंभ किया? उनके मुख्य कथन क्या है?

OR / अथवा
Elective - III
विकल्प – III

21. Examine the changes brought about in the structure and organization of the East India Copany under the Regulating Act of 1773.
1773 के रेग्यूलेटिंग-एक्ट द्वारा ईस्ट इंडिया कम्पनी की संरचना और-संगठन में लाए गए परिवर्तनों की समीक्षा कीजिए।

22. Examine the origins and effects of the Permenent settlement of Bangal.
बंगाल स्थाई बन्दोबस्त के उद्भव एवं प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

23. How far was the agriculture policy of the British East-India company responsible for the formers in India?
ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कम्पनी की कृषि नीति भारत में अकालों के लिए कहां तक उत्तरदायी थी?

24. Discuss the role of the left wing in Indian politics from 1936 to 1947.
भारतीय राजनीति में 1936 से 1947 के मध्य वामपन्थी दल की भूमिका की चर्चा कीजिए।

25. Evaluate the contribution of Jyotiba Phule for the socially depressed classes.
सामाजिक रूप से उत्पीड़ित वर्गों के लिए ज्योतिबा फूले के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

Your Personal Exam Guide

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : This section consists of one question of forty (40) marks to be answered in upto one thousand (1000) words.

(40x1=40 marks)

नोट : इस खंड में केवल एक प्रश्न चालीस (40) अंक का है जिसका उत्तर एक हजार (1000) शब्दों तक दीजिए।

(40x1=40 अंक)

26. Critically discuss the origin and development of temple architecture in ancient India.
प्राचीन भारत में मन्दिर स्थापत्य कला की उत्पत्ति तथा विकास की आलोचनात्मक विवेचना कीजिए।

OR / अथवा

Write an essay on growth of painting under the Great Mughals.
महान मुग़लों के अन्तर्गत चित्रकला के विकास पर लेख लिखें।

OR / अथवा

How do you explain the dominance of Gandhian leadership over the Indian National movement from 1919 to 1945.
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में 1919 से 1945. तक गांधी के नेतृत्व का वर्चस्व की आप किस प्रकार व्याख्या करेंगे।

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exams Guide

prepp
Your Personal Exam Guide

Prepp Your Personal Exam Guide

prepp Your Personal Exams Guide

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained

Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....